अब चिंता नहीं होती : पूनम बर्वे

Support for Livelihood to Women during Covid-19 : Supported by PHF India **OCT 2021**

मार्च 2020 में लॉक डाउन लगते ही पूनम पर परिवार की रोजी रोटी का संकट छा गया, पूनम और उसके पति मछली का रोजगार करते थे, छोटी मछलियों को खरीद कर उन्हें भून कर गाँव में बेच कर परिवार चला रहे थे, कभी उधारी में बड़ी मछलियाँ भी खरीद कर बेचा करते थे, जब लॉक डाउन लगा, परिवार ने उधारी में लगभग 26 हजार की मछली खरीद कर बेचने को रखी थी, अचानक लॉक डाउन लगने से मछलियाँ बेच नहीं पाए और मछलियाँ खराब हो गयीं जिन्हें फेंकना पड़ा, उधारी की चिंता में और कोई काम नहीं मिलने से परिवार काफी तनाव में था, मजदूरी करने को विवश होना पड़ा, पर पर्याप्त काम भी नहीं मिल पाया| उधारी भी चुकानी थी और परिवार का भरण पोषण भी करना था, लेकिन कोई रास्ता नहीं सूझ रहा था, स्थानीय संस्था स्टाफ के द्वारा पता चला कि महिलाओं को रोजगार के लिए सहायता प्रदान की जा रही है, पूनम ने संस्था के स्टाफ से संपर्क किया और मछली के व्यवसाय के लिए रु. 5000 की सहायता मांगी, पूनम से विस्तृत चर्चा के बाद अगस्त 20 में रु. 5000 की राशि मछली के व्यवसाय के लिए उपलब्ध कराई गयी, पूनम ने अपना मछली बेचने का काम प्रारंभ किया और पति को भी फिर से काम से जोड़ा, इस राशि का बेहतर प्रयोग कर पूनम ने रोजगार को स्थापित किया और आज लगभग 14 महीने बाद पूनम का परिवार बहुत खुश है, प्रतिदिन लगभग 40 से 50 किलो मछली बेच रहे हैं, रोजगार को नया आयाम देते हुए अपने काम का दायरा बढाया और मछली लाने ले जाने के लिए नई गाड़ी भी लोन से खरीदी है, परिवार प्रतिमाह लगभग 10 से 12 हजार प्रतिमाह आय अर्जित कर रहा है | पूनम बताती है उनकी तीन लड़कियां हैं जो पढाई कर रही हैं, परिवार अच्छे से चल रहा है किसी प्रकार की चिंता अब नहीं है, जो राशि प्राप्त की थी उसे भी आसान किश्त में वापस कर दिया है |

पूनम बर्वे : मछली तौलते हुए

Poonam Barvey

- ग्राम—भंडेरी, ब्लाक बैहर बालाघाट (म.प्र.)
- रोजगार : मछली व्यवसाय
- मासिक आय : 8 से 10 हजार